सुख सागर टाइम्स

जुलाई -सितम्बर - 2024 ॥ अंक- 7

सुख सागर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का आंतरिक प्रकाशन

इस अंक में...

- डॉक्टर्स-डे....
- 'मध्य भारत रत्न' सम्मान....
- 'द बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड'....
- सेजल राजपूत को दूसरा स्थान...
- 'सेवांकुर' कार्यक्रम ....
- कारगिल विजय दिवस....
- BRONCHOSCOPY....
- MENTAL HEALTH....
- 1000 ब्लड डोनेशन....
- ELECTRO CONLSIVE ....
- OT स्टाफ को ट्रेनिंग....
- 370 ग्राम की पथरी ....
- 7 kg CYST....
- DIETARY STRATEGIES ....
- WHO की कार्यशाला....
- 15 अगस्त....
- पोषण कार्यक्रम ....
- SSMCH पंहुचे बरगी विधायक....
- UNKNOWN BITE....
- राष्ट्रीय निबंध एवं कोलाज़ प्रतियोगिता....
- गणेश उत्सव....
- DR. RISHIKANT PARTICIPATED....
- PEDIATRIC SECTION....
- PNEUMATIC COMPRESSION ....
- विश्वकर्मा जयंती....
- लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट ....
- CBNAAT TEST....
- आयुष्मान शपथ ....
- TCC केन्द्र ....
- विश्व स्तनपान दिवस ....
- हैल्थ कैम्प ....
- रक्तदान शिविर....

मरीज के विश्वास को बरकार रखना डॉक्टर का कर्तव्य है: श्री रमनदीप खन्ना

1 JULY
डॉक्टर्स-डे

सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में राष्ट्रीय 'डॉक्टर्स डे' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ डॉक्टरों को पुष्पगुच्छ देकर किया गया। सरस्वती वंदना और दीप जलाकर कार्यकम आगे बढ़ा।

डॉक्टर निलंजन मित्रा ने 'डॉक्टर्स-डे' मनाने का इतिहास बताया और उस दौर में डॉक्टर बिधन चंद्र रॉय के संघर्ष के बारे में भी सभी को बताया जिनके जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाया जाता है। **SSMCH** के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉक्टर निपुण अग्रवाल ने डॉक्टर्स-डे पर सभी डॉक्टर्स को बधाई दी और इस प्रोफेशन को चुनने की चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि अभी तक सुखसागर के प्रतिबद्ध डॉक्टरों ने 40 हजार से ज्यादा मरीजों का इलाज किया है। उन्होंने वरिष्ठ डॉक्टरों का भी आभार जताया।

एक्टिंग डीन डॉक्टर सविता वर्मा ने अपने उद्बोधन में सभी का आभार जताया और डॉक्टरो के दायित्व के बारे में भी सभी उपस्थित डॉक्टरों को याद दिलाया।

मैनेजिंग ट्रस्टी डॉक्टर कवनीत खन्ना ने सभी डॉक्टरों को इस दिवस की बधाई दी और SSMCH का हिस्सा होने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आरंभ के दिनो के संघर्ष को भी याद किया और आगे आने वाले समय में विकास और उत्थान की कामना की। उन्होंने कहा कि हम यहां केवल अस्पताल नही चला रहे हैं, हम भावी डॉक्टर भी तैयार कर रहे हैं, हमें आप सभी पर गर्व है।

डॉक्टर आर. एस. शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमने जो संघर्ष का दौर देखा है हम उससे कहीं ज्यादा मजबूत होकर निकलेंगे। उन्होने कहा कि डॉक्टरों को थकने का अधिकार नही है क्योंकि इस प्रोफेशन में डॉक्टर कभी रिटायर नही होता है।

मैनेजिंग ट्रस्टी श्री रमनदीप खन्ना ने सभी डॉक्टरों को आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं इतने सारे डॉक्टरों के बीच होने से गर्व महसूस करता हूँ। मरीज एक विश्वास लेकर डॉक्टर के पास आते हैं तो इसे बरकरार रखना ही आपका पहला दायित्व होता है। जिसे आप बरकरार रखते भी हैं उन्होंने सभी डॉक्टरों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

डॉक्टर्स-डे ...

एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री कैस्तुभ वर्मा ने कहा कि मैं आप सभी के साथ होकर धन्य महसूस करता हूँ। उन्होंने कहा कि समाज डॉक्टरों को साहब की उपाधी देता है जो आपके साथ जीवन पर्यन्त चलती है। उन्होंने 'डॉक्टर्स-डे' पर सभी डॉक्टरों को बधाई दी।

कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉक्टर हर्षवर्धन ने अपने डॉक्टर बनने की यात्रा को कविता के माध्यम से सुनाया।

कार्यक्रम के अंत में मैनेजमेंट की ओर से डॉक्टरों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

'मध्य भारत रत्न' से सम्मानित हुआ SSMCH

22 JULY

सुख सागर मेडिकल कॉलेज के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री रमनदीप खन्ना को मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने मध्य 'भारत रत्न सम्मान' से सम्मानित किया। यह सम्मान सुख सागर को मध्य भारत का सबसे उदितमान मेडिकल कॉलेज होने के लिए दिया गया।

सुखसागर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल जबलपुर के निदेशक रमनदीप खन्ना सम्मान प्राप्त करते हुए

वी.के. त्रिपाठी, संस्थापक

यह कार्यक्रम भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार (मिंटो हाल) में आयोजित हुआ।

श्री रमनदीप खन्ना और डॉक्टर कवनीत खन्ना ने सम्मान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का आयोजन नई दुनिया समाचार पत्र की तरफ से किया गया था। इस सम्मान समारोह में मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

'द बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित हुआ SSMCH

24 JULY

सुख सागर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल को दिल्ली में हुए एक समारोह में महाकौशल क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ उदितमान प्राइवेट मेडिकल कॉलेज होने के लिए 'द आरेंज बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने दिया। SSMCH की तरफ से मैनेजिंग ट्रस्टी श्री रमनदीप खन्ना और डॉक्टर कवनीत खन्ना ने सम्मान ग्रहण किया।

श्री गडकरी ने SSMCH के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

ACHIEVEMENT...

GOLD MEDAL in UNIVERSITY EXAM.

MBBS Prof. – II
MPMSU TOPPER IN PHARMACOLOGY
(GOLD MEDALLIST)

MBBS Prof. – I
MPMSU TOPPER IN ANATOMY
(GOLD MEDALLIST)

SEJAL RAJPOOT
BATCH – 2021

‘सेवांकुर’ डॉक्टर को सामाजिक बोध देने का कार्यक्रम है : डॉ. प्रशांत

26 JULY

सुख सागर मेडिकल कॉलेज में सेवांकुर भारत का परिचय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर और दीप प्रज्वलन से किया गया। सेवांकुर का परिचय, आरंभ, लक्ष्य, उदेश्य, कार्य प्रणाली और विस्तार के बारे में श्री महादेव पडवाल ने विस्तार पूर्वक बताया।

डॉक्टर प्रशांत गायकवाड़ ने कहा कि हम बहुत से ऐसे लोगों को नही जानते जो हमारे आसपास हैं और बहुत बड़ी उपलब्धि प्राप्त हैं। उन्होंने कहा कि केवल डॉक्टर का काम ही ऐसा है जिसमें पैसा लेकर इलाज करना भी सेवा माना जाता है। संवेदनशीलता और जवाबदारी सेवांकुर भारत मेडिकल छात्रों को आरंभ से ही सिखाता है। उन्होंने आह्वान किया कि समाज को समझने की इस यात्रा में आप हमारे साथ जुड़ें। उन्होंने कहा कि बिना अनुभव किए आप इस अनुभूति के आनंद को नही जान पाएंगे। इसलिए इस सामाजिक परिवर्तन को देखने के लिए आप सभी आमंत्रित हैं।

सेवांकुर भारत के कार्यक्रम में भागीदारी करने SSMCH के 4 छात्र-छात्रा गए थे। उसमे से कुछ ने अपने अनुभव, अपनी सोच और समझ में आये बदलाव के बारे में सभी को बताया।

सेवांकुर के सिग्नेचर प्रोग्राम ‘एक सप्ताह देश के नाम’ कार्यक्रम पर एक फिल्म दिखाई गई।

डीन डॉ. पी.के. कसार ने इस कार्यक्रम से बच्चों को जोड़ने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों में समाज और देश के प्रति कर्तव्य और जवाबदारी का बोध बढ़ाता है। उन्होंने आसपास के गांवों को इस कार्यक्रम से जोड़ने का सुझाव भी दिया।

कारगिल विजय दिवस

26 JULY

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में शहीदों को याद किया गया और यहां कार्यरत पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया ।

मैनेजिंग ट्रस्टी श्री रमनदीप खन्ना ने सभी पूर्व सैनिकों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर डॉक्टर कवनीत खन्ना, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री कौस्तुभ वर्मा और मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉक्टर निपुण अग्रवाल उपस्थित थे।

BRONCHOSCOPY GUIDED BIOPSY STARTED IN DEPARTMENT OF RESPIRATORY MEDICINE

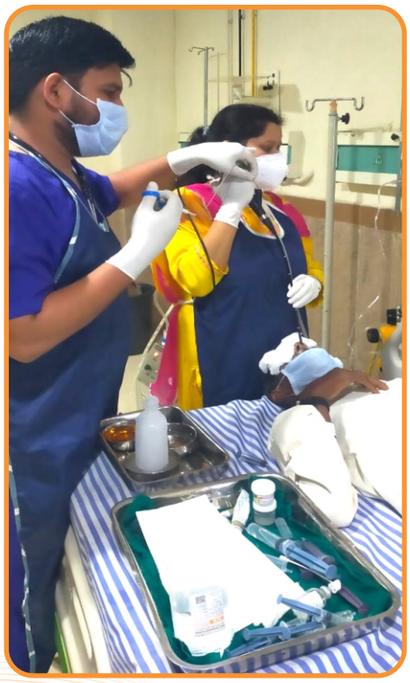

MENTAL HEALTH & PREGNANCY

Col (Dr) Amresh Dubey
MD (Psychiatry) , AFMC, Pune
Asst Prof & HoD Psychiatry

Pregnancy and the postpartum period are associated with profound physical and emotional changes. They are also associated with mental symptoms and disorders ranging in severity from very mild to very severe or even psychotic.

There are several forms of postpartum disorders- from the transient experience of "postpartum blues", to severe postpartum psychosis. The least severe type "postpartum blues", or "Maternity blues" is the commonest. This occurs in 30% to 75% and typically occurs for a short period of few hours to 4-7 days following delivery. It includes symptoms such as irritability, restlessness, despondency, mild confusion and/ or hypochondriasis.

Postpartum depression (PPD) which is a later, more prolonged and serious condition generally occurs in at least 13% of women within 4-6 weeks after childbirth and includes symptoms such as low mood, anhedonia, forgetfulness, irritability, anxiety, sleep disturbance and poor functioning. Description, symptoms, course, and outcome of PPD are similar to clinically significant major depressive disorder (MDD) with the time specified.

Postpartum psychosis, the gravest form of the group is rare, occurring in 1-2 per 1000 deliveries. It is characterised by acute psychotic state of confusion, delirium, delusions, hallucinations and insomnia.

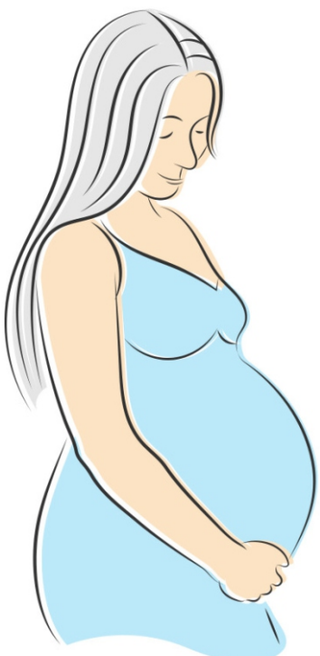

Various studies have identified a number of significant risk factors like marital status, past history of depression, socioeconomic status, stressful life events, modes of delivery, complications in pregnancy and sex of new-born child associated with postpartum depression.

Yim IS et. al. in 2015 conceptualised a bio-psycho-social framework for PPD and found hypothalamic-pituitary-adrenal axis dysregulation, inflammatory process and genetic vulnerabilities as biological factors, and severe life events, quality of relationship and social support among significant psychosocial factors.

In a metanalysis by Upadhyay et. al. published in 2017 of 38 studies involving 20,043 Indian mothers, revealed overall prevalence of PPD to be 22%. In India social and cultural beliefs about the postpartum period are often based on Ayurveda and other age-old traditions. Mental health stigma and social norms in India often prevent mothers from reaching out for professional help. Many of the cases go unreported because the focus shifts from the mother to the baby after delivery. So even when mothers face physical exhaustion, weakness and an overall lack of physical and mental well-being, it tends to go unnoticed, not only by the family members, but even by the mothers themselves.

Edinburgh Postnatal Depression Scale (EPDS) has been designed and validated for screening of postpartum depression. It consists of 10- items and each item has four responses, which are scored from 0 to 3 based on severity. An association between high score on the EPDS and postpartum depression has been demonstrated and it has been documented as an effective, convenient screening tool for postpartum depression.

Despite its wide prevalence and possible consequences, identification of postpartum depression by health professionals has been poor. Most of patients with serious postpartum depression present within 6-8 weeks following childbirth. They are usually seen by Obstetricians, Paediatricians, and Family physicians during this period, who may not be alert to these symptoms. A simple self-reporting questionnaire like the Edinburgh Postnatal Depression Scale (EPDS) is of value in this regard. The assessment of identified risk factors may be incorporated in delivery of routine post-partum care. The identified high risk individuals may be followed up more closely.

1000 ब्लड डोनेशन पूरे हुए

SSMCH के ब्लड बैंक ने वर्ष 2024 के आरंभ के सात महीनों में रक्त दान का एक हजार का आंकड़ा छू लिया। इस आंकड़े तक इतने कम समय में **SSMCH** का ब्लड बैंक पहली बार पहुंचा हैं।

डीन डॉक्टर कसार और **HoD** डॉक्टर सविता वर्मा ने टीम की इस उपब्लधि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। डॉक्टर विजय कुमार श्रीवास्तव प्रोफेसर पैथोलॉजी ने भी टीम का उत्साहवर्धन किया।

इस उपलब्धि को पैथोलॉजी विभाग की डॉक्टर अंकिता अग्रवाल, डॉक्टर प्रियंका तिवारी, डॉक्टर अंकिता अग्रवाल के साथ ब्लड बैंक में केक काट कर मनाया गया। इस मौके पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कर्नल राजेन्द्र पांडेय, एच.आर. टीम से रौशनी विश्वकर्मा, अकाउंट विभाग से मयंक सिंह उपस्थित थे।

ELECTRO CONVULSIVE THERAPY STARTED @SSMCH

PICTURE OF FIRST ELECTRO CONVULSIVE THERAPY

OT के स्टाफ को बेसिक लाइफ सपोर्ट की ट्रेनिंग

यह ट्रेनिंग डॉक्टर शरद चंद्रिका और डॉक्टर पयाश्वनी शर्मा ने दी।

370 ग्राम की पथरी निकाली

आरती गौंड 35 वर्षीय महिला, जो रानीताल जबलपुर की निवासी है। पेट के निचले हिस्से में दर्द और पेशाब संबंधी समस्या पेशाब रुक-रुक कर आना, पेशाब में खून आने की शिकायत लेकर सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती हुई थी। यह दर्द उन्हें 2 साल से था। जांच में पता चला कि उनकी मूत्र नली में पथरी है।

जनरल सर्जरी विभाग के डॉक्टरो की टीम ने ऑपरेशन करके 370 ग्राम की पथरी निकाली ।

यह ऑपरेशन डॉ. अवतार पचौरी ने किया, एनेस्थीसिया डॉ शरद चंद्रिका एवं अन्य सहयोगी आरती, रूबीना, अभिषेक सिस्टर अर्चना रहे ।

7 KG CYST REMOVED

Patient Lalti Bai Maravi ,60 yrs old ,female, resident of Mandla suffering from a swelling and pain for last 2 years. In abdomen. CECT Abdomen revealed a huge Mesentric cyst .

An Exploratory Laparotomy with excision of Complete cyst done .

Operating team : Surgeons Dr Arjun saxena, Dr Rajesh Singhai, Dr Abhishek . Anaesthetis Dr Sharad Chandrika .

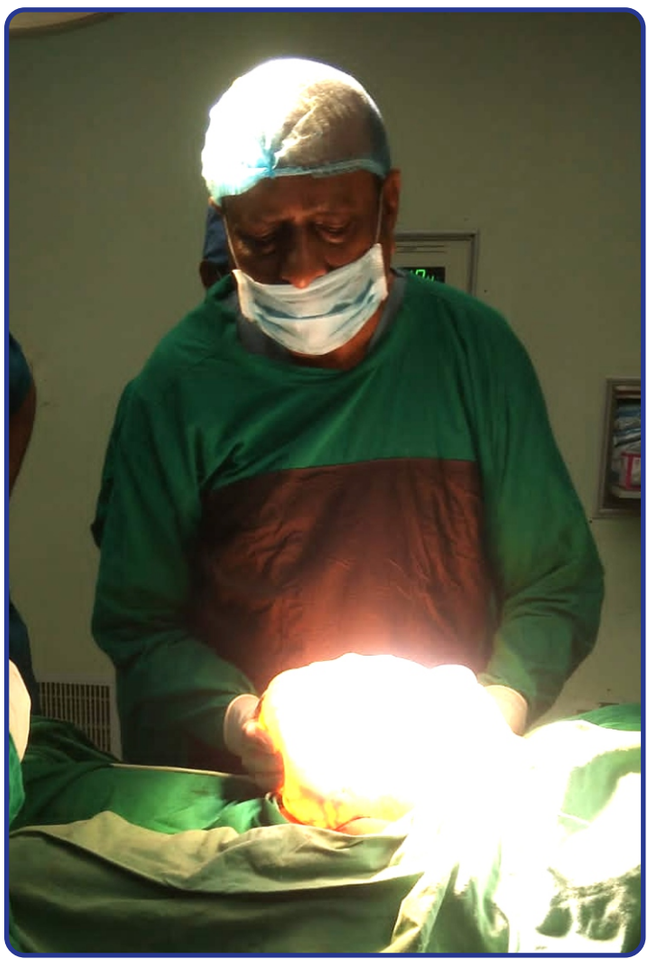

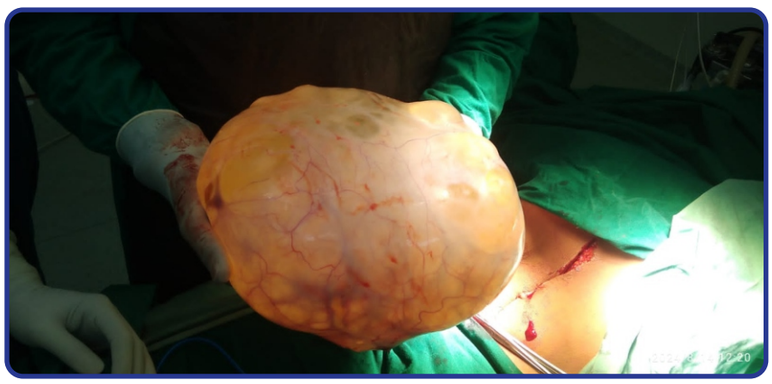

DIETARY STRATEGIES FOR HYPERTENSION MANAGEMENT

B.Sc. In Clinical Nutrition
M.Sc. In Food & Nutrition
Internship In Choithram Hospital Indore

Unhealthy diet and physical inactivity contribute to around 30% of preventable morbidity and mortality from noncommunicable diseases, including morbidity and mortality due to hypertension. Hypertension, or high blood pressure, is a condition associated with increased risk for stroke, cardiac failure, renal failure and peripheral vascular disease. Excessive intake of saturated fatty acids and trans fatty acids, along with higher consumption of salt and sugar, are risk factors for cardiovascular diseases including hypertension.

How Are Risk Factors

Related to high blood pressure?

Sodium Intake :-Higher sodium intake has been associated with higher risk of incident stroke, fatal stroke and fatal coronary heart disease. Reduction in dietary sodium intake will reduce the mean population blood pressure, as well as the prevalence of hypertension. A decrease in salt consumption of 3 grams per day would result in a reduction in blood pressure which in turn would lead to a reduction of 22% and 16% in stroke and

ischaemic heart disease deaths, respectively. Even in hot, humid climates, there are only minimal loses of sodium

What Can We Do About it?

Healthy diet contributes to reduction of hypertension through limiting sodium intake, managing weight, limiting alcohol and increasing consumption of vegetables fruit, whole grain and low-fat dairy products.

Early Intervention

Reducing salt intake to less than 5 grams of salt per day can result in a decline in both systolic and diastolic blood pressure of > 10 mmHg. Reducing fat intake Avoid animal fat, stick margarine, vegetable shortenings and commercial bakery and deep-fried foods. Reduce fat intake in general and avoid eating food rich in animal fat, such as red meat, processed meat and butter, and eat olive oil and fish oil instead.

Weight Management

Maintain a healthy body weight (body mass index of 18.5 to 24.9). Lose weight if you are overweight. Healthy eating: the DASH diet (Dietary Approaches to Stop Hypertension)

Eat at least 5 servings of fruit and vegetables every day while reducing saturated and total fat intake and incorporating healthy fats in moderation, such as those in olive oil, nuts and seeds. Following such a diet reduces systolic blood pressure on average by 8 to 14 mm Hg. The DASH diet consists mainly of fruits, vegetables and low-fat dairy products and includes whole grains,

poultry, fish and nuts while reducing the amount of red meat, sweets and sugar-containing beverages.

Stress Management

Manage stress. Stress may temporarily increase blood pressure. Learn to find healthy ways to cope with stress. Avoid coping with stress by eating high fat or high salt foods, or by smoking or drinking alcohol. Learning relaxation techniques and finding a time to walk each day are some good ways to start. Hypertension control is important to avoid excess calorie intake.

DIET	KEY COMPONENTS	BENEFITS	POTENTIAL CHALLENGES
Dietary Approaches to Stop Hypertension (DASH) diet	Rich in fruits, vegetables, whole grains, and low-fat dairy products. Includes meat, fish, poultry, nuts, and beans. Limited in sugar-sweetened foods and beverages, red meat, and added fats.	Proven to lower blood pressure and is also linked to lower cholesterol levels.	May require significant changes from a person's current diet.
Mediterranean diet	High in fruits, vegetables, whole grains, beans, nuts and seeds, and olive oil. Includes moderate amounts of dairy products, poultry, and fish. Red meat and sweets are eaten sparingly.	Associated with reduced risk of cardiovascular diseases, including hypertension. Also linked to improved overall health and well-being.	May be more expensive due to high intake of fruits, vegetables, and fish. Requires cooking and preparation time.
Low-sodium diet	Restricts the intake of sodium to 1,500 to 2,300 milligram per day.	Can directly lower blood pressure by reducing water retention.	Requires careful reading of food labels for sodium content. Eating out can be challenging due to high sodium content in restaurant foods.
Vegetarian/vegan diet	Excludes meat and animal products (vegan). Vegetarian diets may include dairy and eggs. High in fruits, vegetables, whole grains, nuts, seeds, and legumes.	Can lower blood pressure and decrease the risk of heart disease.	May require supplementation for nutrients commonly found in animal products, such as Vitamin B_{12} and iron. Requires careful meal planning to ensure adequate protein intake.
Portfolio diet	A plant-based diet that includes a mix of foods known to lower cholesterol such as nuts, soy, plant sterols, and high-fiber foods like oats and barley.	Shown to lower cholesterol levels as much as a statin in some studies. Can also lower blood pressure due to high fiber content and plant-based components.	Requires a significant shift to plant-based eating, which can be challenging for some. Portion control is important to avoid excess calorie intake.

Nutrient	Recommended daily intake	Potential benefits
Sodium	Less than 2,300 milligrams or ideally 1,500 milligrams for people with hypertension	Lower sodium intake can help reduce blood pressure levels. High sodium consumption is linked to increased blood pressure.
Potassium	3,500-4,700 milligrams	Potassium can help balance the amount of sodium in cells, which can aid in blood pressure control.
Magnesium	310-420 milligrams for adults	Magnesium can help lower blood pressure levels. It also aids in nerve function, blood glucose control, and protein synthesis.
Calcium	1000-1300 milligrams for adults	Calcium can help blood vessels tighten and loosen, thus aiding in blood pressure control. It also helps in muscle function and nerve signaling.
Fiber	25-38 grams per day	A diet high in fiber can contribute to overall heart health and indirectly aid in blood pressure control.

विश्व स्वास्थ्य संगठन की कार्यशाला

8 Aug.

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सुख सागर मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की कार्यशाला की। जिसमें उन्होंने कुछ विशेष बीमारियों के बारे में किये जा रहे सरकार के प्रयासों और रिपोर्टिंग सिस्टम के बारे में बताया।

इस कार्यशाला को डॉक्टर विनोद गुप्ता, डॉ. रीमा अग्रवाल, डॉ. जलज खरे, डॉ. विकास शर्मा ने संबोधित किया।

SSMCH की ओर से, मेडिकल डायरेक्टर डॉक्टर लोकवानी, डीन डॉ. प्रदीप कसार, एवं सभी विभागों के डॉक्टरों और मैनेजमेंट की तरफ से डॉक्टर कवनीत खन्ना ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया।

SSMCH में धूमधाम से मनाया गया 78 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वंदना से हुआ। कॉलेज के प्रतिनिधियों ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और बैच लगाकर किया।

इस अवसर पर बोलते हुए मेडिकल डारेक्टर डॉक्टर लोकवानी ने सभी को 78 वें स्वतंत्रता दिवस पर बधाई दी और स्वतंत्रता के संघर्ष के इतिहास को याद किया। उन्होंने कहा कि आजादी बिना कीमत के मिली बात नही है हमारे पूर्वजों ने इसकी बड़ी कीमत अदा की है। यह भावना से जुड़ा हुआ दिन है। डॉक्टर लोकवानी ने कहा कि हमारे यहां भारतीय सेना के कई लोग हैं हम उन्हें सलाम करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत अगले 40 वर्ष तक सबसे युवा राष्ट्र है इसे सारा विश्व जानता है। राष्ट्र प्रथम की भावना हर व्यक्ति के अंदर सदा होनी चाहिए। राष्ट्र का हर व्यक्ति राष्ट्र का सैनिक है।

एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री कौस्तुभ वर्मा ने इस अवसर परबोलते हुए सभी को बधाई दी और कहा कि हमने कुछ स्कीमों और बिना स्कीम के लगभग 40 हजार लोगों का नि:शुल्क इलाज किया है। उन्होंने SSMCH में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 77 सम्मानित लोगों के नाम की घोषणा भी मंच से की। उन्होंने छात्रों से अपील की वह अपनी खराब आदत को छोड़ कर उससे स्वत्रंत हो। उन्होंने कार्यक्रम आयोजित करने वाली टीम को धन्यवाद दिया और सभी का आभार व्यक्त किया।

SSCN में पोषण कार्यक्रम का आयोजन

बी.एस.सी. नर्सिंग एवं जी. एन. एम. के विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। उन्होने पोषण कार्यक्रम के तहत यह बताया कि एक अच्छा पोषण कैसे हमारे स्वास्थ को बेहतर बनाता है एवं संतुलित आहार से हम कैसे बीमारियों से बच सकते हैं।

विद्यार्थियों ने बताया कि रोजाना हमें सही मात्रा में पोषक आहार जिसमें आयरन, विटामिन, प्रोटीन युक्त पदार्थों का सेवन करना चाहिए। जिससे हम मधुमेह, एनिमिया, उच्च रक्तचाप जैसी अनेक बीमारियों से बच सकें तथा उनको नियंत्रित कर सकें। इस मौके पर मुख्य अतिथि मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. कवनीत खन्ना थी एवं निर्णायक के रुप में पोषण कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर रेबिका बेथे थी। प्राचार्य, लेफ्टीलेंट प्रोफेसर रत्नेश बेथे ने इस कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया ।

आपकी सुरक्षा हमारा दायित्व है : श्री नीरज सिंह

17 Aug.

कलकत्ता में जूनियर महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और उसकी हत्या के बाद उपजी असुरक्षा की भावना को ध्यान में रखते हुए बरगी विधायक श्री नीरज सिंह, बरगी क्षेत्र में स्थित सुख सागर मेडिकल कालेज एवं हॉस्पिटल पहुँचे। उन्होंने मेडिकल की छात्राओं, महिला डॉक्टरों और कर्मचारियों से राखी बंधवाई और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया ।

SSMCH पहुचें बरगी विधायक

उन्होने कहा कि मैं आप सभी का अभिभावक हूँ, आप किसी भी समस्या के लिए मुझसे बेझिझक कभी भी संपर्क कर सकते हैं। मैं आप सभी का प्रतिनिध्व करता हूँ। आप यहां पढ़ कर देश की सेवा करेंगे यह बरगी क्षेत्र के लिए गौरव का विषय होगा, तो आप यहां से सुरक्षित पढ़ कर जाएं यह हमारी जवाबदारी है। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि हमारे क्षेत्र में आप पूरी तरह सुरक्षित हैं।

सुख सागर कालेज पहुंचे विधायक, रक्षा सूत्र बंधवाया

बरगी विधायक नीरज सिंह शनिवार को सुख सागर मेडिकल कालेज पहुंचे। महिला चिकित्सकों एवं छात्राओं से मुलाकात की। कोलकाता की घटना के बाद उपजी उनकी असुरक्षा की भावना को दूर करने का प्रयास किया। महिला चिकित्सकों, कर्मचारियों और छात्राओं से रक्षा सूत्र बंधवाया। उनकी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया। इस दौरान डायरेक्टर कवनीत खन्ना ने विधायक से कालेज तक स्ट्रीट लाइट और सार्वजनिक बस परिवहन सेवा आरंभ कराने की मांग की, ताकि छात्राओं के लिए आवाजाही आसान हो। क्षेत्र में पुलिस चौकी स्थापना का आग्रह किया है। एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर कौस्तुभ वर्मा, मैनेजिंग ट्रस्टी अमनदीप खन्ना, रमनदीप खन्ना उपस्थित थे।

सुखसागर मेडिकल कालेज में संबोधित करते विधायक नीरज सिंह एवं कालेज के प्रबंधन सदस्य। • सौजन्य आयोजक

बरगी विधायक...

डॉक्टर कवनीत खन्ना ने उन्हें ज्ञापन दिया और स्ट्रीट लाइट और सार्वजनिक परिवहन की बस चलाने की मांग की ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके और महिलाओं में आत्मविश्वास बना रहे। बरगी विधायक ने आश्वासन दिया कि इन समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाएगा और कोई भी अप्रिय स्थिति नही बनने दी जाएगी। सुख सागर के प्रबंधन ने उनसे परिसर के अन्दर एक चौकी स्थापित करने का आग्रह भी किया जिस पर विधायक ने सहमति जताई ।

बरगी विधायक को परिसर के अंदर बरते जा रहे सुरक्षा इंतजामों से भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर एमबीबीएस की छात्राएं, महिला डॉक्टर, प्रबधन के सदस्य,एग्जीक्यूटीव डारेक्टर श्री कौस्तुभ वर्मा, मैनेजिंग ट्रस्टी श्री अमनदीप खन्ना और श्री रमनदीप खन्ना उपस्थित रहे।

जबलपुर प्रदर्शन में SSMCH के डॉक्टर्स

PEACEFUL PROTEST BY THE STUDENTS OF SSMCH TO STAND AGAINST VIOLENCE AGAINST DOCTORS

UNKNOWN BITE: DILEMMA WHETHER TO GIVE ASV OR NOT

Lt Col (Dr) RK Pandey & Dr. Eshwar Reddy

Introduction

LT COL (DR) RK PANDEY
Senior Consultant Medicine, SSMCH, Jabalpur

Snake bite is a major environmental and occupational hazard in rural India and South Asia. With change in weather condition and prevailing summer and rainy seasons, snakes and other reptiles have been noticed in our office areas and leaving areas. The rainy season generally favors incidence of snake bite, as borrows get flooded with rain water and dense grass and foliage provides hideouts, snakes are predatory on insects, frogs, rats and mice are attracted to areas with rodent infestation. There are total 3500 species of snakes and out of that about 375 only are poisonous. Important Poisonous species are Elapidae (Cobras, Kraits, Mambas, Coral snakes), Viperidae (True vipers), Crotalidae (Pit vipers and Rattle snakes), Colubridae – Africa, Hydrophiidae (Sea snakes) – found close to coastline.

DR. ESHWAR READY
Junior Resident

There are estimated 50,000 deaths occur due to snake bite in India every year. 97% of affected are in rural area. Only 23% of the total snake bite deaths occurred in hospitals. Identification of the snake at times provides important clues with respect to treatment concerned. The commonest poisonous land snakes in India are cobra, viper and krait which cause most of the deaths.

We hereby report a case of patient, living in Bargi area, Jabalpur (MP) who was bitten by a neurotoxic snake most probably a common krait.

Case report

A 29 year old lady presented to casualty with history of unknown bite over right foot early morning around 3:30 am on 11th Sept 2024. According to patient she got up at night around 3-3:30 am for using lavatory at that time something nibble on her right foot, she neglected. it, thinking it as rat bite and went to sleep after using lavatory. Morning around 06:00 am she got up & had a cup of tea till than patient was asymptomatic, gradually patient developed uneasiness, abdominal pain, nausea & vomiting, for which they reported to nearest clinic were treatment for pain abdomen and vomiting was administered but there was no relief in the symptoms, so they decided to come to Sukh Sagar Medical College & hospital, Jabalpur.

They reached SSMCH, casualty at around 9:30-10:00 am (approx 6 h after the bite). Received by Dr. Eshwar reddy (Doctor on duty). Subsequently got call from casualty for the same. Patient presented with complain of severe pain abdomen and vomiting. Patient husband gave history of something bitten on right foot early morning. On examination Patient was restless, irritable, & disoriented. Vitals were normal (Pulse- 100/min, BP- 100/60 mmHg, RR-24/min, SpO2- 93-94% on RA). Local examination of foot- No fang mark, no swelling, no tenderness, no bleeding noticed. Systemic examination- Chest B/L air entry present, CVS – S1, S2 normal, P/A- Soft, generalized tenderness all over abdomen present, no organomegaly, CNS- patient was irritable and disoriented, Pupils were sluggish, No neck rigidity, no ptosis, no sign of any envenomation noticed. On Investigation: WBC count was raised (24000/cumm), BT, CT was within normal range. So it was suspected to be a case of? Unknown bite ? Sepsis? Meningitis. Chest X-ray & CT brain was advised.

Discussion

Meanwhile, we all 04 consultants in dept of medicine (Dr RK Pandey, Dr Nipun Agarwal, Dr Vishal Asrani & Dr Rishikant Aharwal) were discussing the case. We were in dilemma whether to give anti-snake venom (ASV) or not. What if it's not a case of poisonous snake bite, or a dry bite, we may lose the patient then & there. While sitting in dilemma I got a call from Dr Reddy stating patient has suddenly stopped breathing. This massage from

Dr Reddy has almost cleared our confusion; patient went into neuromuscular paralysis affecting airways and respiratory muscles may be due to neurotoxic snake bite since the chest x-ray & CT brain was normal. Emergency Intubation was done and connected to ventilator support and ASV was started after sensitivity test and due cover of antihistaminic, and other supportive medications. Total 30 vials of ASV used during treatment in 1st three days. Patient regains consciousness after 72 hours and started breathing

Day 1

Day 3

Day 7

spontaneously, subsequently she was extubated. Patient vitals, sepsis and other parameter resolved over the time and was discharged subsequently on 18th Sep 24. Neurotoxic snakes such as common krait, when threatened or disturbed, it will attack and bite the ones who are present near. Bite of this snake is quick and painful and rate of spreading of venom is rapidly throughout the body because it can cross phospholipid bilayers and blood-brain barrier. Most common signs and symptoms of common krait bite are neuroparalysis followed by abdominal colic, chest pain, vomiting, sweating and excessive salivation. However, in our case, bite was painless and rate of spreading of venom was also slow, it took almost 6-7 hours to develop neroparalysis which was followed by abdominal colic, vomiting and irritability. The primary treatment has to be given as early as possible to reduce the systemic poisoning and life-threatening symptoms.

Conclusion & Points to note

- A bite from poisonous snake does not necessarily cause envenomation.
- A bite by any snake poisonous or non poisonous may cause severe fright which may even lead to death. Violent and agitated behaviour may be noticed in them.
- Poisonous snake bite has 2 fang marks/ Non Poisonous snake bite has form of inverted 'U'
- Never give ASV in unknown bite, Dry bite, non- poisonous snake bite or in case where there is no sign & symptoms of envenomation.
- Envenomation serious in children than adult
- Pathogens in mouth of Poisonous snake/Non poisonous snake may causes Secondary infection
- If Victim is perfectly well and no local inflammation or systemic sign occur after 6-8hrs of bite, it may be a non poisonous snake. However, patient need to be observed for at least 24-48 hrs

Preventive Measures to be taken

a) Camp/area sanitation:- Office area, built-up accommodation and its surrounding areas should be kept clear of all debris, garbage and rubbish heaps to deny shelter and food rats which attracts snakes.

b) Clear the grass and vegetation around the living areas and workplace to deny hiding places for snakes. Do not have tree branches touching living/working barracks.

c) Security lights around the living areas, toilets and on pathways. Most snake bites occur on lower limbs while going to toilet in dark.

d) Anti-rodent measures:- Anti-rodent measures to be vigorously implemented especially around

Personal Protection:-

a) Avoid sleeping on floor.
b) Use mosquito net which gives protection during sleep.
c) Wear anklets and boots while walking/patrolling
d) Always carry a torch at night- look before you step or place your hand on walls, gates, gensets etc.
e) Take care on first entry into toilets, stores etc.
f) Wear boots while visiting toilets after dusk.
g) Keep your room and surroundings well illuminated.
h) Use personal protection trousers, full sleeves shirt and boots while working.
I) Check beds, linen, clothing and boots before using them. Avoid carrying food/eatables to the rooms as it attacks rodents followed by snakes.
j) Be very careful while handling dead snake.

First Aid Measures

i. Not all snakes-bites are poisonous. However every snake-bite must be considered poisonous unless proved otherwise.
ii. Reassure the individual and try to remove his fear and anxiety.
iii. Keep the individual at rest, should not be allowed to walk around.
iv. Wash the area with plenty of water and soap.
v. Immobilize the bitten part to delay absorption of venom.
vi. Apply ice on bitten part to delay absorption of the venom wherever possible.
vii. In case of difficulty to breath, clear the mouth and give mouth to mouth artificial respiration.
viii. Should not give the incision over the fang marks as used to be done earlier, as it may do more harm than good.
ix. Do not give alcohol or sleep inducing drugs.
x. The individual should be carried manually or moved on a stretcher/wheel chair
xi. The individual should be speedily evacuated to the nearest hospital for institution specific anti-snake venom therapy.

Do's

I. Reassure the individual and ally his/her anxiety.
ii. Keep the patient at complete rest.
iii. Immobilize the bitten part.
iv. Apply a strip or cloth or a broad bandage just above the site of bite.
v. Wash the area with soap and running water frequently without rubbing
vi. Give artificial respiration if required.
vii. Carry the patient to the nearest hospital immediately after first aid.

Don'ts

i. Do not allow the patient to walk.
ii. Do not rub or apply any ointment or oil or cream to the bitten part.
iii. Do not give alcohol/any intoxicant/drug/stimulant.
iv. Do not give incision with a blade on bitten part.
v. Do not try to suck the blood from bitten part.
vi. Do not allow the patient to sleep.
vii. Do not apply the strip or bandage too tight to prevent stoppage the blood circulation.

राष्ट्रीय निबंध एवं कोलाज़ प्रतियोगिता में SSMCH की आस्था के निबंध और आकृति के कोलाज़ को स्थान मिला

हमें यह बताते हुए हर्ष है कि राष्ट्रीय आर्युविज्ञान आयोग (NMC) के अंतर्गत आने वाले अंडर ग्रेजुएट मेडिकल बोर्ड (UGMEB) और IAPSM के संयुक्त तत्वाधान में फैमिली एडोप्शन प्रोग्राम (FAP) के अंतर्गत राष्ट्रीय निबंध एवं कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें सुख सागर मेडिकल कॉलेज जबलपुर की दो छात्राओं का राष्ट्रीय स्तर पर चयन किया गया है।

इस प्रतियोगिता में स्नातक स्तर के कुल 50 विद्यार्थियों के निबंधों को प्रकाशन के लिए चुना गया है। प्रतियोगिता में SSMCH के 11 एमबीबीएस छात्रों ने भागीदारी की थी, जिसमें से 2 छात्राएँ आस्था गुप्ता (बैच 2021) का निबंध राष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन और आकृति शाह (बैच 2022) के कोलाज को चुना गया है। यह उपलब्धि इनके कठिन परिश्रम, रचनात्मकता और लगनशीलता के साथ कम्युनिटी हेल्थ केयर के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यह उपलब्धि SSMCH के डीन और कम्युनिटी मेडिसिन के HoD डॉ. प्रदीप कसार और विभाग के अन्य प्राध्यापकों के दिशा निर्देश और सहयोग से ही सम्भव हो सकी । कॉलेज के प्रबंधन ने भी इसमें अपना पूरा सहयोग दिया। जिससे विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के साथ-साथ फील्ड का काम कर सके, जो इस तरह की प्रतियोगिता के लिए आवश्यक होता है।

आकृति शाह का कोलाज

नईदुनिया

जबलपुर, सोमवार, 16 सितंबर, 2024

एमबीबीएस छात्राओं के सृजन को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना

सुखसागर मेडिकल कालेज की स्नातक छात्राओं के सृजन को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) और फैमिली एडाप्शन प्रोग्राम (एफएपी) की ओर से निबंध एवं कोलाज प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। गत दिनों हुई प्रतियोगिता में अंडर ग्रेजुएट मेडिकल बोर्ड (यूजीएमइबी) के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। आयोजन में सुखसागर मेडिकल कालेज के 11 छात्राओं ने सहभागिता की थी, जिसमें छात्रा आस्था गुप्ता (2021 बैच) का निबंध राष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन के लिए चुना गया है। छात्रा आकृति शाह (2022 बैच) ने कोलाज निर्माण स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर स्थान बनाया है। देश से चुनिंदा 50 छात्रों के निबंध को बोर्ड ने प्रकाशन के लिए चुना है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, रचनात्मकता और लगनशीलता के साथ कम्युनिटी हेल्थ केयर के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कालेज के डीन और कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डा. प्रदीप कसार और विभाग के अन्य प्राध्यापकों के दिशा-निर्देश और सहयोग से यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। कालेज प्रबंधन ने अपना पूरा सहयोग दिया, जिससे विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के साथ साथ फील्ड का काम कर सकें, जो इस तरह की प्रतियोगिता के लिए आवश्यक होता है।

आकृति शाह

आस्था गुप्ता

ई-बुक जारी की गई

फैमिली एडाप्शन प्रोग्राम (FAP) की ई-बुक भी जारी की गई है, जो नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC) के पहले कार्यकाल (4 साल) की पूर्णता के अवसर पर हुई, जिसमें IAPSM की भी सहभागिता रही। सुख सागर मेडिकल कॉलेज की छात्रा आस्था गुप्ता (MBBS, Batch 2021) को निबंध प्रतियोगिता के लिए और आकृति शाह (MBBS, Batch 2022) को कोलाज प्रतियोगिता के लिए सम्मानित किया गया है। उनका कार्य इस ई-बुक में प्रकाशित किया गया है। इस समारोह में प्रमाण-पत्र मेडिकल डायरेक्टर डॉ. डी.पे. लोकवानी और डीन डॉ. पी. के. कसार द्वारा प्रदान किए गए।

Sukh Sagar College of Nursing students are on her Role as nurse taking part of care in different-different manner

गणेश उत्सव मनाया गया

7 Sep.

DR. RISHIKANT PARTICIPATED AS EXPERT ON MARTB MANAGEMENT (THE STATE TASK FORCE STC DEHRADUN UTTRAKHAND)

National task force for difficult to treat MDRTB ECHO clinic conducted by state of uttara khand STATE TASK FORCE Dehradun GMC srinagar , in which faculties from national level and from different medical college were invited for expert opnion, from our sukh sagar medical college, Dr. Rishi kant Aharwal Asst Prof Department of Respiratory Medicine invited for expert opnion.

The case of MDR TB on All oral longer regimen was diagnosed to with LBBB along with Qtc prolongation was discussed for the further management and course of action considering cardiac toxicity of Anti tubercular drugs.

Expert opnion on other aspects of MDRTB patient management was further discussion and guidance was given to others faculties and DTOs (District TB officers) for the management of similar types of MDRTB cases.

SUKH SAGAR COLLEGE OF NURSING PEDIATRIC SECTION CREATED BY NURSING STUDENTS

PNEUMATIC COMPRESSION THERAPY IS NOW AVAILABLE IN@ PHYSIOTHERAPY DEPARTMENT OF SSMCH.

विश्वकर्मा जयंती मनाई गई

17 Sep.

लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन

18 SEP.

CBNAAT TEST NOW AVAILABLE AT SSMCH

Sukh Sagar Medical College and Hospital, Jabalpur, has commenced the CBNAAT (Cartridge-Based Nucleic Acid Amplification Test) for the diagnosis of tuberculosis (TB). This state-of-the-art diagnostic test provides rapid and accurate detection of TB and drug-resistant strains, significantly improving patient management and treatment outcomes.*Key Details:*- *Test Name:* CBNAAT- *Location:* Sukh Sagar Medical College and Hospital, Jabalpur- *Purpose:* Early and precise detection of tuberculosis and resistance to first-line TB drugs- *Benefits:* Fast results, high sensitivity and specificity, and the ability to detect drug-resistant TB strainsPatients and healthcare providers can now access this advanced diagnostic tool at our facility. For more information or to schedule a test, please contact our laboratory department. We are committed to enhancing healthcare services and improving patient care through the integration of advanced diagnostic technologies.

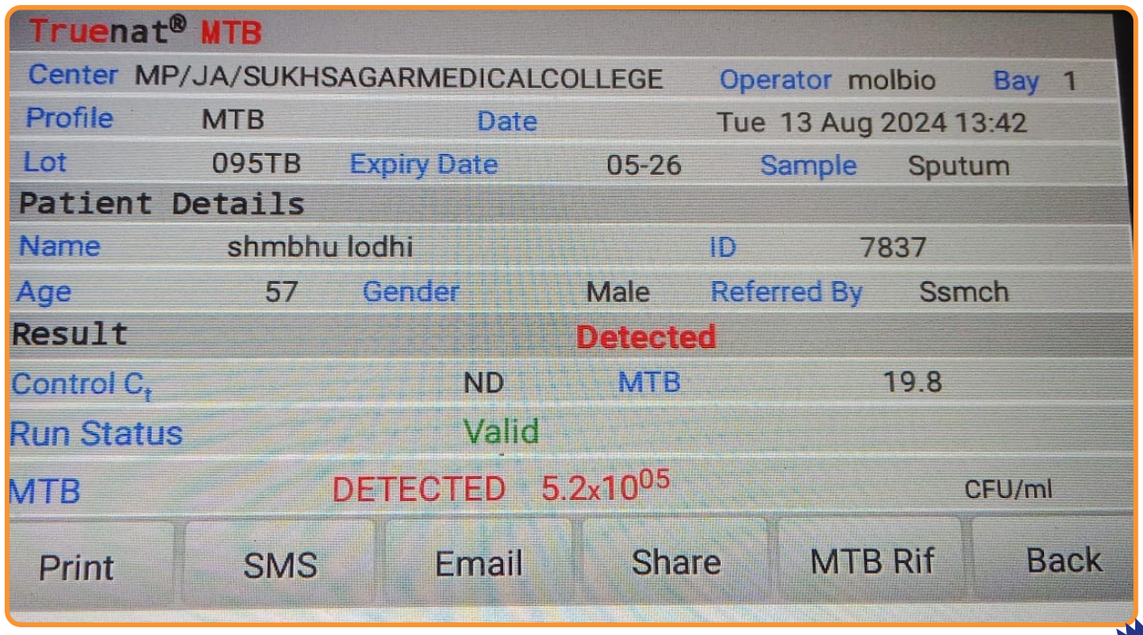

आयुष्मान शपथ ली गयी

22 Sep.

मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार 20 से 30 सितम्बर तक आयुष्मान पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य आयुष्मान भारत योजना के प्रति सभी की समझ बढ़ाया और कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करना था ताकि अधिक से अधिक लोग लाभ ले सकें। इसके अन्तर्गत सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की आयुष्मान टीम ने आयुष्मान शपथ का आयोजन किया। जिसका नेतृत्व आयुष्मान भारत के प्रभारी डॉ. विवेक तिवारी और बाबूलाल चौहान ने किया ।

TCC केन्द्र का वर्चूअल उद्घाटन

24 Sep.

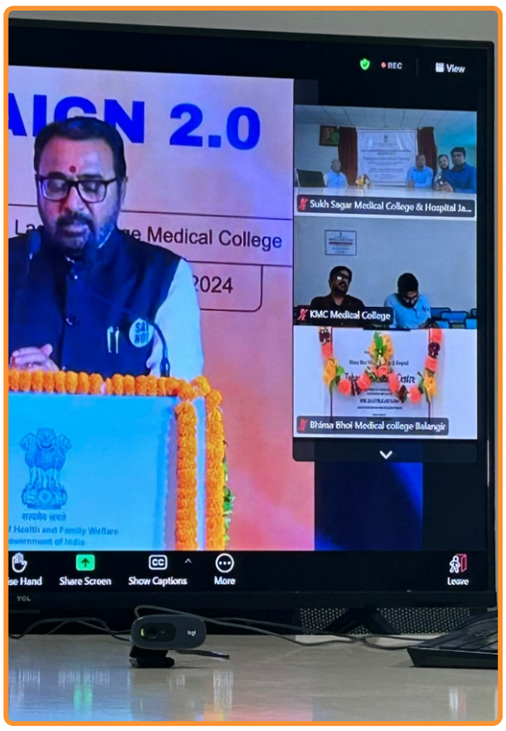

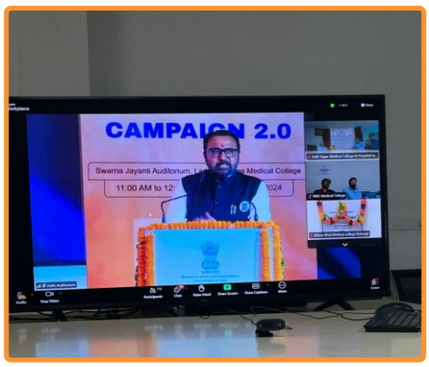

राष्ट्रीय तम्बाखू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तम्बाखू फ्री यूथ केम्पेन 2.0 में सितंबर 24 को सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में तम्बाखू निवारण केन्द्र **(TCC)** का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। वर्चुअल उद्घाटन श्री जे. पी. नड्डा केंद्रीय मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने किया। यह केन्द्र मनोरोग विभाग ओपीडी 6 ग्राउंड फ्लोर पर चलाया जा रहा है।

विश्व स्तनपान दिवस पर कार्यशाला

सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नवजात शिशुओं के साथ 6 माह तक के बच्चों की माताओं ने हिस्सा लिया और स्तनपान के महत्व को समझा।

यह सत्र डॉ. रीमा अग्रवाल और डॉक्टर अंजुम उस्मानी ने लिया। उन्होंने माताओं को बच्चों को क्या नही खिलाना है बताया साथ ही स्तनपान का महत्व भी समझाया और उनके सवालों के जवाब दिए। इसमें एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ। माताओं ने बहुत से प्रश्नों के सही जवाब दिए, जो स्तनपान के संबंध में उनकी अच्छी समझ को दर्शाता था।

स्त्री रोग विभाग से डॉक्टर मनीषा और डॉक्टर नम्रता दंडोरिया भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। साथ ही एमबीबीएस तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे। कार्यकम के होने में जननी टीम की सदस्य शाहिना परवीन और सरिता ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

हैल्थ कैम्प

- दिनांक 12 जुलाई। ग्राम-बहादुर, जिला डिंडोरी में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें कुल 195 लोगों ने इलाज कराया ।

- दिनांक 11 अगस्त। श्रद्धा कॉलोनी, उखरी रोड, जबलपुर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 53 लोगों ने इलाज कराया ।

- दिनांक 31 अगस्त। तहसील केवलारी के ग्राम जामुनपानी में नि:शुल्क हैल्थ चेकअप कैंप लगाया गया। जिसमे 150 मरीज ने अपना चैकअप करवाया।

- दिनांक 5 सितम्बर। शीतला माई घमापुर पार्षद कार्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 235 लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई।

- दिनांक 9 सितंबर। बरेला,जबलपुर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें कुल 178 लोगों ने इलाज कराया।

- दिनांक 24 सितंबर। सिवनी जिले के गाँव पलारी में नि:शुल्क स्वस्थ शिविर का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर

दिनांक 5 सितंबर। इंडियन आयल कॉर्पोरेशन में रक्दान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सुख सागर कालेज ऑफ नर्सिंग के छात्र-छात्राओं ने भी सहयोग किया।

@ इस न्यूज़ लेटर में छापे गए सभी चित्र एवं जानकारी अकादमिक उद्देश्य के लिए उपयोग किये गए हैं।

ज्ञानजीत ट्रस्ट के अंतर्गत सुखसागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, जबलपुर, मध्यप्रदेश का आंतरिक प्रकाशन, गैर-व्यापारिक उद्देश्य हेतु । प्रधान संपादक - श्री बी.एस.खन्ना। सलाहकार संपादक - श्री रमनदीप खन्ना । मुख्य संपादक - श्री कौस्तुभ वर्मा, सम्पादक-रंजना, विशेष सहयोग - प्रियेश सिंह । ग्राफिक्स डिजाइन - मो. सोहेल ।

ई-मेल ssmchnewsletter@gmail.com
फोन- संपादक +91 9871900112